चैरिटी के लिए अनोखी बोली

माइकल मोरेन

जनसेवा कार्यों के वास्ते धन जुटाने के लिए पार्टी का आयोजन करने वाले परंपरागत नृत्य-भोजों के साथ-साथ कई तरह के नए रचनात्मक उपायों का सहारा लेते हैं।

पहले हैट हटा। फिर पैंट को संभालने वाले सस्पैंडर्स। उत्तेजना और आश्चर्य से पास खड़ी स्त्रियों की चीखें निकल गईं- कमीज़ भी उतार दी गई।

सिर्फ बूट और अपनी वर्दी की भारी-भरकम पैंट पहने अपने देह सौष्ठव को दिखाता दमकल कर्मी बार के कामचलाऊ कैटवॉक स्थल पर चहलकदमी करने लगा। वह लोगों को खुद पर ज़्यादा से ज़्यादा बोली लगाने को प्रेरित कर रहा था। सबसे ऊंची बोली लगाने वाले को उसके साथ एक दिन बिताने का मौका मिलने वाला था। यह दृश्य है ऑयवा की राजधानी द मॉइन में बच्चों के लिए धर्मार्थ कार्यों के लिए पैसा जुटाने के लिए हर वर्ष होने वाली स्मोक एंड फायर नीलामी का।

खुद को नीलामी के लिए प्रस्तुत करने वाले एक दमकलकर्मी क्रिस फाबेला बताते हैं, ''शुरू में बहुत से लोगों को तमाम तरह की आशंकाएं सताती हैं, वे शर्माते हैं।'' क्रिस ने अपने साथियों को प्रोत्साहित किया कि वे भी इस कार्यक्रम में भाग लें। उन्हें यह विचार पसन्द आता है कि इससे मिले पैसे किसी भले काम में लग रहे हैं।

और भले कामों, भले उद्देश्यों की क्या कमी? भारत में सुनामी से और पाकिस्तान में भूकंप से हुई बर्बादी और खुद अमेरिका में आए बड़े समुद्री तूफानों ने अमेरिकी दानवृत्ति को लगभग एक दशक के सबसे बेहतरीन प्रदर्शन के लिए प्रेरित किया। गैर-लाभसर्जक शोध संस्था गिविंग यूएसए फाउंडेशन (www.aafrc.org/gusa/) की हाल की एक रपट के अनुसार वर्ष 2005 में अमेरिकियों ने 260 अरब डॉलर से अधिक की राशि दान की। औसत अमेरिकी गृहस्थी से करीब 2,000 डॉलर हर साल दान के रूप में निकलते हैं।

ऊपर : नीलामी के दौरान उत्साहित बोली लगाने वाले।

बड़े पैमाने पर हुई तबाही की त्रासदी निःसन्देह मार्मिक होती है लेकिन इससे स्थानीय धर्मार्थ संस्थाओं की जरूरतें कम नहीं हो जातीं। अमेरिका में करों की दरें अन्य पश्चिमी देशों की तुलना में काफी कम हैं, इसलिए समाजसेवा की कई परियोजनाएं बेघरों के लिए रैनबसेरे, बच्चों के कार्यक्रम, चिकित्सकीय शोध प्रयोगशालाएं उदारता से किए गए व्यक्तिगत दान पर निर्भर होती हैं। धर्मार्थ कार्यों के लिए धन जुटाने की बढ़ती होड़ धन जुटाने वालों की रचनात्मकता को उकसाती है। संपन्न दानदाताओं और परोपकारियों की एक युवतर पीढ़ी को आकर्षित करने के लिए धर्मार्थ संस्थाएं परम्परागत नृत्यभोजों और आलीशान रात्रिभोजों के साथ-साथ कई तरह के अन्य कार्यक्रम भी आयोजित कर रही हैं।

जाहिर है कि करीब दो लाख बाशिन्दों के छोटे से शहर द मॉइन में थैलीशाह दानदाताओं की संख्या सीमित ही होगी। टॉयन और अन्य सृजनशील लोग गैर-लाभार्थ संगठनों की दावतों/कार्यक्रमों को नए ढंग से रोचक बनाते हैं।

फोटो: आंद्रेए फ्लॉस्चा/dmjuice.com

ऊपर: अग्निशमन कर्मी केनी वैन लार्सन द मॉइन, आयॅवा में बच्चों की चैरिटी के लिए धन जुटाने वास्ते आयोजित स्मोक एंड फ़ायर नीलामी में बोली लगवाते हुए।

सुनने में तो यह बात बड़ी मज़ेदार लगती है लेकिन कॉनी श्मेट कहती हैं, ''यह दरअसल है बहुत चुनौती भरी।'' कॉनी हैं तो द मॉइन के पास ही की लेकिन उनका ज़्यादातर समय वाशिंगटन डी.सी. में कैनेडी सेंटर फॉर द परफॉर्मिंग आर्ट्स के लिए कार्यक्रमों की योजना बनाते बीतता है। छह साल पहले राष्ट्रपति बुश ने उन्हें इस पद पर नियुक्त किया था- पॉल न्यूमैन और रॉबर्ट रैडफोर्ड जैसे अभिनेताओं, हिपहॉप की देवी की हैसियत रखने वाली बेयॅन्स नाउल्स और रैप गायक-नर्तक किड रॉक जैसी हस्तियों से उनका साबका पड़ता ही रहता है।

इन धर्मार्थ आयोजनों में कलाकार, दानदाता, नामी-गिरामी लोग, समाज के अग्रणीजन बराबर आते हैं, इसलिए श्मेट और उन जैसे कार्यक्रम आयोजक हमेशा ही खुद से सवाल करते हैं,'' अब हम क्या करेंगें?''

जवाब कई रूपों में मिलते हैं:

- द मॉइन के एक चिड़ियाघर के वास्ते पैसे जुटाने के लिए आयोजित एक पार्टी के लिए आयोजकों ने एक इमारत को कोहरे से भर दिया ताकि एक अलग सा वातावरण बन सके।
- हैलॉवीन से पहले एक थियेटर कम्पनी कार्यक्रम में मेहमान फैंसी ड्रैस में शामिल हुए। उनके स्वागत में बिछाया गया लाल कालीन सड़क से लेकर इमारत के बरामदे तक फैला था। अंदर खाने की मेजों की सजावट किसी प्रसिद्ध फिल्म, नाटक या ऑपेरा के विषय पर आधारित थी।

एक स्थानीय धर्मार्थ संस्था के लिए धन जुटाने के लिए एक अखबार ने अपने दफ़्तर की लॉबी में एक टंकी रखवा दी। लंच की छुट्टी के दौरान कर्मचारी कुछ डॉलर देकर अपने अफसरों को इसमें गोते दिला सकते थे।

- दानदाताओं से नकदी उगलवाने की दृष्टि से गोल्फ़ टूर्नामेंट बहुत प्रभावी सिद्ध हुए हैं। अंधत्व की रोकथाम के लिए धन जुटाने के लिए आयोजित एक टूर्नामेंट में खिलाड़ी झुटपुटे में, अंधेरे में चमकने वाली गेंदों से खेले। एक संग्रहालय के लिए आयोजित टूर्नामेंट में चार लोगों के समूह को खेलने की सुविधा पाने के लिए 2500 डॉलर देने थे। खिलाड़ियों की रुचि जीत-हार से ज़्यादा अगले चरण तक पहुंचने में थी क्योंकि गोल्फ़-कोर्स में दिललुभाऊ चीज़ों की भरमार थी। एक होल के पास ब्लडी मेरी के गिलास हाजिर थे तो दूसरे होल के पास स्ट्रॉबेरियां और शैंपेन।
- संग्रहालय के गोल्फ़ टूर्नामेंट का आयोजन करने वाली टॉयन कहती हैं कि दानदाताओं को कुछ ऐसे उपहार देना भी जरूरी है जो उनके पास रहें और कार्यक्रम के खत्म हो जाने के काफ़ी समय बाद तक भी उसकी यादें ताज़ा करते रहें ताकि अगले साल दानदाता खुद तो आए ही, अपने धन्नासेठ दोस्तों को भी साथ लाए। टॉयन ने टूर्नामेंट में हिस्सा लेने वालों के लिए बढ़िया उपहार पिटारियों का इंतज़ाम किया था जिनमें वाइन की बोतलें, जैविक ढंग से तैयार मांस और पकाने-भूनने के शानदार बर्तनों के सेट थे।

लेकिन कभी कभी दांव उलटा भी पड़ जाता है। आलीशान उपहार दानदाताओं को यह संदेश भी दे सकते हैं कि यहां पैसे की बर्बादी हो रही है। वे कार्यक्रम से नाता तोड़ सकते हैं।

आयॅवा के एक बहुत समृद्ध परिवार से जुड़ी भूसंपत्ति व्यवसायी सारा टेरी बताती हैं कि उन्हें और उनके माता-पिता को हर साल डाक से 10,000 निमंत्रण प्राप्त होते हैं। वह खुद तो सालभर में पांच या छह कार्यक्रमों में ही शामिल होती हैं लेकिन उनके माता-पिता बिल और सूसन नैप महीने में दो-तीन कार्यक्रमों में जाते हैं।

नवम्बर में हुए चुनाव से कुछ हफ़्ते पहले डेमोक्रेटिक पार्टी ऑफ आयॅवा के एक रात्रिभोज में नैप दंपत्ति की मेज मंच के पास ही थी। पूर्व राष्ट्रपति बिल क्लिंटन ने अचानक ही अपनी टाई उतारी और पार्टी के लिए धन जुटाने के लिए उसे नीलाम करने की बात कही। सूसन नैप ने एक हज़ार डॉलर से अधिक देकर टाई ली। बाद में, आधी रात के बाद उन्होंने अपनी बेटी को संदेश भेजा,''मैं मिस्टर क्लिंटन की टाई पहने हूं!''

यह तो हुई एक सफल कार्यक्रम की बात, लेकिन सभी दावतें ऐसी बढ़िया नहीं रहतीं। टेरी कहती हैं,

फोटो: मार्क फोटोग्राफी

द मॉइन प्लेहाउस थियेटर कंपनी के लाभार्थ वार्षिक हॉलीवुड हैलॉवीन वेश-भूषा पार्टी में आए मेहमान हॉलीवुड फिल्मों और ब्रॉडवे नाटकों के चरित्रों से प्रेरित पोशाकें पहने हैं। ये लोग मूल कलाकृतियों, कार या न्यू यॉर्क की यात्रा जैसी चीज़ों के लिए भी बोली लगाते हैं।

''बहुत से लोग तो जैसे पार्टी आयोजित करना ही नहीं जानते।''

कभी-कभी तो संगीत या खाने के स्तरीय न होने के कारण बड़े पैमाने पर आयोजित पार्टियां भी मुंह के बल धड़ाम हो जाती हैं। सारा बताती हैं, ''मेरी मां सूखे और ताज़ा पार्स्ले का फर्क मीलों दूर से सूंघ लेती हैं।''

वह 2005 की एक वैलेंटाइन्स डे पार्टी की याद करती हैं जहां बिना बोले सामान की नीलामी हो रही थी। ''मैं देने के लिए पैसे साथ लेकर गई थी, लेकिन उन लोगों ने ऐसी चीजें दिखाईं कि बस क्या कहें। एक सस्ते से लकड़ी के डिब्बे में रखे प्लास्टिक के पेनों का कोई क्या करेगा?'' वह कहती हैं कि पूरा कार्यक्रम ही उबाऊ था। मैं 12 साल के बच्चों की मदद लेकर, आंखें बंद करके भी इससे बेहतर पार्टी का इंतज़ाम कर लेती।''

असफलता से बचने के लिए अक्सर पार्टी के आयोजक और धर्मार्थ संस्था के कर्ताधर्ता कार्यक्रम के कुछ दिन बाद मिल-बैठकर कार्यक्रम की खामियों और अच्छाइयों की सूची बनाकर उन पर चर्चा करते हैं और अगले साल के कार्यक्रम की रूपरेखा तैयार करते हैं। कभी-कभी वार्षिक पार्टियों में भारी फेरबदल ज़रूरी होता है लेकिन कुछ मामलों में मेहमान पररंपरा को बनाए भी रखना चाहते हैं।

दमकलकर्मियों की नीलामी पांच साल से चल रही है और इसमें भाग लेने वालों की बढ़ती संख्या इसकी लोकप्रियता को इंगित करती है। इस साल एक-एक जवान पर सैकड़ों डॉलर की वसूली हुई। इसके बारे में किस्से भी खूब कहे-सुने जाते हैं।

एक दमकलकर्मी के बारे में सुना गया कि उसने अपनी ही दोस्त को खुद की बोली लगाने को राजी कर लिया था कि कहीं बोली ही न लग पाने की सूरत में उसे झेंपना न पड़ जाए। 150 डॉलर में नीलाम हुए फाबेला बताते हैं, ''वह जरा घबरा सा गया था। पिछले साल फाबेला की बोली एक अधेड़ स्त्री के नाम छूटी थी जिसने अपनी सहेलियों को तैराकी पार्टी दी और फैबेला को चाकर बनाया। एक खास हैट, निक्कर और बिना बांह की जर्सी पहने फैबेला ने न केवल उन्हें खाने-पीने की चीजें परोसीं बल्कि एक शाही चाकर की तरह पंखा डुलाकर उन्हें महारानी होने का अहसास भी करवाया।

एक बार एक अधिकारी की पत्नी के नाम बोली छूटी। उसने इस कर्मी को बच्चों को संभालने की ज़िम्मेदारी सौंपी और अपने पति के साथ मौजमस्ती की एक रात बिताने शहर चल दी!

और एक नीलामी की परिणति विवाह में भी हुई।

इस साल पहली बार मंच पर अवतरित होने वाले केनी वैन लार्सन कुछ घबराए हुए थे लेकिन उनका कहना है कि पार्टी में आए ज़्यादातर लोग मित्र ही थे। वह कहते हैं,'' पहले तो मैं इस कार्यक्रम से दूर रहने के बहाने ढूंढता रहा था लेकिन आखिर उन्होंने मुझे राजी कर ही लिया।''

केन्नी पर बोली 100 डॉलर से शुरू होकर 150 डॉलर और फिर 200 डॉलर पर छूटी। लार्सन कहते हैं, ''मैं भाग्यशाली था। मेरी दोस्त ने 250 डॉलर देकर मुझे खरीद लिया।''

माइकल मोरेन *सेंट्रल ऑयवा के अखबार द द मॉइन रजिस्टर के संवाददाता हैं।*

कृपया इस लेख के बारे में अपने विचार editorspan@state.gov पर भेजें।

साभार: व्हाइट हाउस

स्वयंसेवकों का सम्मान

ये आम अमेरिकी कौन हैं जो एयर फ़ोर्स वन की सीढ़ियों पर राष्ट्रपति जॉर्ज डब्ल्यू. बुश के उनके बीच आने पर उनके साथ फोटो खिंचाते रहते हैं। मार्च 2002 से यूएसए फ्रीडम कोर ग्रीटर्स के नाम से जाने जाने वाले ऐसे लोगों की संख्या 550 से ज़्यादा है। इनमें हॉनर बेल (बाएं) जैसे लोग शामिल हैं जिन्होंने पेन्साकोला, फ़्लोरिडा में स्वयंसेवा कार्यक्रमों की शुरुआत की है। वह स्थानीय स्कूल डिस्ट्रिक्ट में सक्रिय स्वयंसेवक हैं। ये लोग राष्ट्रपति बुश का स्वागत करते हैं तो वह उन्हें व्यक्तिगत तौर पर धन्यवाद देते हैं और प्रत्येक को राष्ट्रपति के वॉलन्टियर सर्विस अवार्ड से सम्मानित करते हैं।.